भूकंपरोधी तकनीक की अनदेखी पड़ेगी भारी

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 7 जुलाई। भवन की डिजाइन बनाते समय खूबसूरती तो प्रदान करें लेकिन मानकों की अनदेखी न करें। भूकंपरोधी तकनीक का डिजाइन करते समय विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। अगर नियमों को ध्यान में रखकर भवन की डिजाइन बनाकर उसे आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया तो यह आर्किटेक्ट की काबलियत होगी। यह विचार आईआईटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में आयोजित भूकंपरोधी कार्यशाला में पुणे के आर्टिटेक्चरर कालेज से आये विशेषज्ञ प्रो. वसुधा गोखले ने व्यक्त किये। आउटरिच सभागार में चल रही कार्यशाला के दूसरे दिन प्रो. गोखले ने कहा कि भूकंपरोधी मानकों का भवन डिजाइन करते समय विशेष ध्यान रखें। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के डा. दुर्गेश राय ने कहा कि किसी भी भवन का डिजाइन करते समय उस पर पड़ने वाले भार को भी ध्यान में रखना चाहिए। यदि इस पर ध्यान न दिया गया तो मकान मजबूत और टिकाऊ नहीं होगा। लोड को बैलेंस करने के लिए उसके तकनीकी पहलुओं पर विशेष नजर रखी जानी चाहिए। डा. राय ने बैलेंस की तकनीकी बिंदुओं की विस्तार से जानकारी देते हुए चर्चा की। इस कार्यशाला में देश के १८ इंजीनियरिंग कालेजों के ५६ छात्र-छात्राएं शिरकत कर रही हैं। कार्यक्रम का संचालन सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. सुरेश ऐलावादी ने किया। इस अवसर पर प्रो. केया मित्रा, प्रो. भावना, प्रो. मीरा आदि थीं।

आईआईटी में कार्यशाला

वास्तुविद् नियोजकों ने कहा भवन की खूबसूरती के साथ सुरक्षा पर भी ध्यान दें

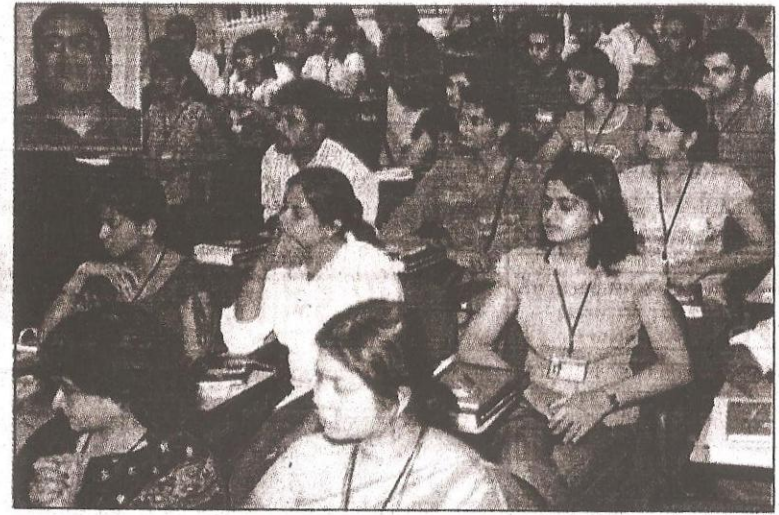

कार्यशाला में भाग लेती छात्राएं, (इनसेट में) जानकारी देते प्रो. दुर्गेश राय।